Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

ई-पाठशाला कार्यक्रम

Class 11th

GEOGRAPHY

प्राकृतिक संकट तथा आपदाएं

RAPID REVISION

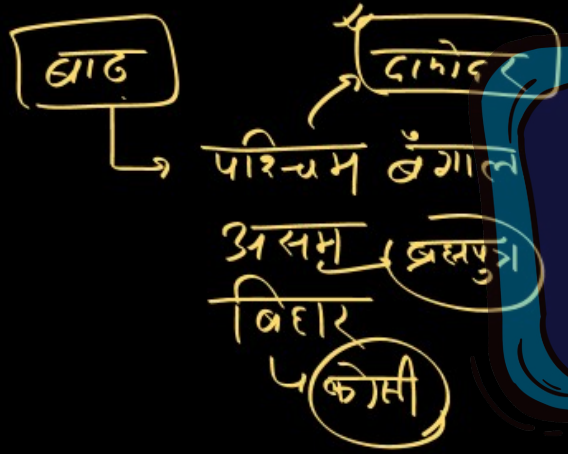


Under CSR Support by
ipca | Foundation

प्राकृतिक संकट तथा आपदाएँ

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

Q.1 भारत में बाढ़ से सर्वाधिक प्रभावित राज्यों में से एक कौन-सा है?



A बिहार

B केरल

C गोवा

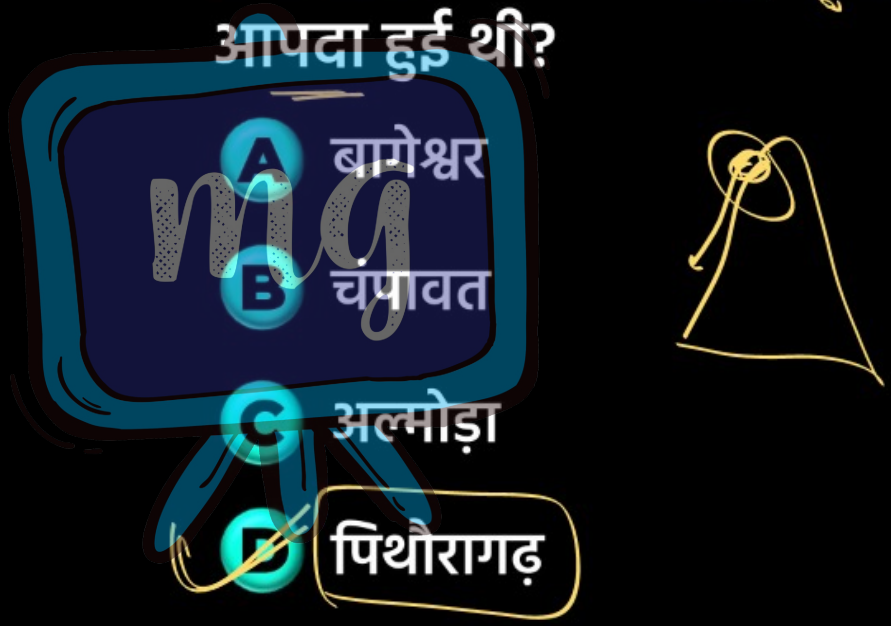
D तमिलनाडु

Under CSR Support by
ipca | Foundation

प्राकृतिक संकट तथा आपदाएँ

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

Q.2 उत्तराखंड के किस जिले में मालपा भूस्खलन की आपदा हुई थी?



A बागेश्वर

B चंपावत

C अल्मोड़ा

D पिथौरागढ़

Under CSR Support by
ipca | Foundation

प्राकृतिक संकट तथा आपदाएँ

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

Q.3 शीत ऋतु के महीनों में बाढ़ आने वाला राज्य कौन-सा है?

दिसम्बर

मानसून

जून - (सितम्बर - अगस्त)

बाढ़

A असम

B पश्चिम बंगाल

C केरल

D मिलनाडु



Under CSR Support by
ipca | Foundation

प्राकृतिक संकट तथा आपदाएँ

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

आपदीय द्वीप
सबसे बड़ा
जिला
चावल

Q.4 माजुली नदी द्वीप किस नदी में स्थित है?



A. गंगा
B. ब्रह्मपुत्र
C. गोदावरी
D. सिंधु

Under CSR Support by
ipca | Foundation

प्राकृतिक संकट तथा आपदाएँ

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



Q.5 उष्ण कटिबंधीय चक्रवात किस प्रकार की प्राकृतिक आपदा है?

A वायुमंडलीय

B जलीय

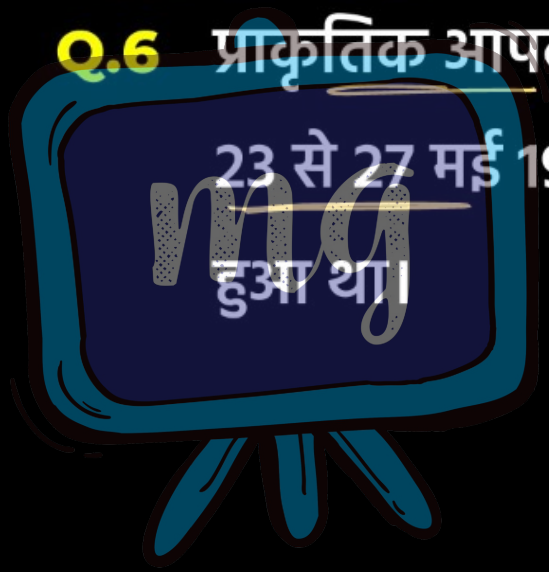
C भौमिकी

D जैवमंडलीय

Under CSR Support by
ipca | Foundation

प्राकृतिक संकट तथा आपदाएँ

रिक्त स्थान पूर्ति



Q.6 प्राकृतिक आपदा न्यूनीकरण पर विश्व सम्मेलन 23 से 27 मई 1994 को _____ नगर में हुआ था।

याकोहोमा → (जापान)

missiongyan® LET'S LEARN TOGETHER

Under CSR Support by
ipca | Foundation

प्राकृतिक संकट तथा आपदाएँ

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

Q.7 प्राकृतिक आपदा न्यूनीकरण का अंतरराष्ट्रीय दशक 1991–2000 घोषित किया गया था।



Under CSR Support by
ipca | Foundation

प्राकृतिक संकट तथा आपदाएँ

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

Q.8 आपदा प्रबंधन अधिनियम भारत में 2005 में पारित किया गया।



Under CSR Support by
ipca | Foundation

प्राकृतिक संकट तथा आपदाएँ

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

Q.9 भूस्खलन में चट्टानों का समूह ढाल से नीचे की ओर _____ के प्रभाव में गति करता है।



Under CSR Support by
ipca | Foundation

प्राकृतिक संकट तथा आपदाएँ

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



अतिलघूत्तरात्मक प्रश्न–उत्तर

Q.10 आपदा किसे कहते हैं?

उत्तर :

❖ आपदा ऐसी अप्रत्याशित घटना है, जो मानव के नियंत्रण से बाहर की शक्तियों के कारण होती है और कम समय में व्यापक जन-धन की हानि पहुँचाती है।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

प्राकृतिक संकट तथा आपदाएँ

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

Q.11 प्राकृतिक संकट से क्या अभिप्राय है?

उत्तर :

- प्राकृतिक संकट पर्यावरण की ऐसी परिस्थितियाँ या तत्व हैं, जिनसे जन-धन को नुकसान पहुँचने की संभावना रहती है।
- इनका प्रभाव तीव्र या स्थायी भी हो सकता है।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan® LET'S LEARN TOGETHER

Q.12 भूस्खलन के आँकड़े एकत्र करना कठिन क्यों है?

उत्तर :

- भूस्खलन स्थानीय कारणों से उत्पन्न होते हैं।
- इनकी आवृत्ति और प्रभाव अनेक भूवैज्ञानिक, भूआकृतिक, ढाल, भूमि उपयोग तथा वनस्पति संबंधी कारकों से प्रभावित होते हैं।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

लघूत्तरात्मक प्रश्न

Q.13 उष्णकटिबंधीय चक्रवातों की उत्पत्ति के लिए कौन-सी परिस्थितियाँ अनुकूल होती हैं?

उत्तर :

❖ उष्णकटिबंधीय चक्रवातों की उत्पत्ति के लिए गर्म और आर्द्र वायु की पर्याप्त उपलब्धता आवश्यक है, जिससे बड़ी मात्रा में गुप्त ऊष्मा मुक्त होती है।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

प्राकृतिक संकट तथा आपदाएँ

missiongyan® LET'S LEARN TOGETHER



- इनके विकास के लिए पर्याप्त कोरिऑलिस बल, क्षोभमंडल में अस्थिरता और स्थानीय स्तर पर निम्न वायुदाब वाले क्षेत्र भी आवश्यक हैं।
- भूमध्य रेखा के निकट कोरिऑलिस बल कम होने के कारण वहाँ सामान्यतः ऐसे चक्रवात उत्पन्न नहीं होते।
- ऊर्ध्वाधर वायु प्रवाह में बाधा का अभाव भी इनके विकास के लिए महत्त्वपूर्ण है।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

प्राकृतिक संकट तथा आपदाएँ

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

Q.14 बाढ़ आने के प्रमुख कारण बताइए।

उत्तर :

- बाढ़ तब आती है, जब नदी की जलवहन क्षमता से अधिक पानी प्रवाहित होकर आसपास के मैदानों में फैल जाता है।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

प्राकृतिक संकट तथा आपदाएँ

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



- इसके प्रमुख कारणों में लंबे समय तक तेज वर्षा, हिम का पिघलना, तटीय क्षेत्रों में तूफानी ज्वार, भूमि में जल के अंत:स्रवण की दर में कमी और मृदा अपरदन से नदी में जलोढ़ पदार्थों की मात्रा बढ़ना शामिल हैं।
- वनों की कटाई, अवैज्ञानिक कृषि पद्धतियाँ और प्राकृतिक अपवाह तंत्र में अवरोध भी बाढ़ की तीव्रता बढ़ा सकते हैं।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

Q.15 बाढ़ के प्रमुख दुष्परिणामों का वर्णन कीजिए।

उत्तर :

- बाढ़ से फसलें, कृषि भूमि और मानव बस्तियाँ प्रभावित होती हैं।
- सड़कें, रेल पटरियाँ, पुल तथा अन्य आधारभूत संरचनाएँ क्षतिग्रस्त हो सकती हैं।
- बाढ़ग्रस्त क्षेत्रों में दूषित जल के कारण हैजा, आंत्रशोथ और हेपेटाइटिस जैसी बीमारियाँ फैल सकती हैं।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

प्राकृतिक संकट तथा आपदाएँ

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

- इससे जनजीवन और आर्थिक गतिविधियों पर गंभीर प्रभाव पड़ता है।
- दूसरी ओर, बाढ़ के साथ आने वाली उपजाऊ मिट्टी कुछ क्षेत्रों में कृषि के लिए लाभदायक होती है, लेकिन यह लाभ सामान्यतः इससे होने वाली व्यापक क्षति की तुलना में कम होता है।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

Q.16 भूस्खलन के परिणामों का वर्णन कीजिए।

उत्तर :

- भूस्खलन से सड़क मार्ग अवरुद्ध हो सकते हैं, रेल पटरियाँ टूट सकती हैं और जलमार्गों में चट्टानें गिरने से अवरोध उत्पन्न हो सकता है।
- नदी मार्ग में परिवर्तन होने से बाढ़ की स्थिति भी पैदा हो सकती है।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

प्राकृतिक संकट तथा आपदाएँ

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

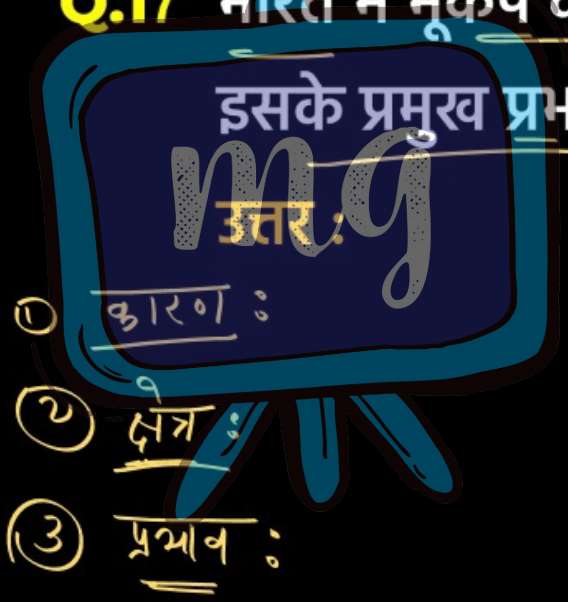
- इससे जन-धन की हानि होती है, आवागमन कठिन हो जाता है और विकास कार्यों की गति धीमी पड़ जाती है।
- भूस्खलन की संभावना वाले क्षेत्रों में निर्माण गतिविधियों पर नियंत्रण, बड़े विकास कार्यों की निगरानी और वनस्पति आवरण बढ़ाने जैसे उपाय उपयोगी हो सकते हैं।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

प्राकृतिक संकट तथा आपदाएँ

निबन्धात्मक प्रश्न

Q.17 भारत में भूकंप के कारण, प्रभावित क्षेत्र तथा इसके प्रमुख प्रभावों का वर्णन कीजिए।



missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

Under CSR Support by
ipca | Foundation

प्राकृतिक संकट तथा आपदाएँ

भारत में भूकंप के कारण

- भूकंप सबसे अधिक विनाशकारी प्राकृतिक आपदाओं में से एक है।
- इसकी उत्पत्ति पृथ्वी की ऊपरी सतह में होने वाली विवर्तनिक गतिविधियों से मुक्त ऊर्जा के कारण होती है।

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

Under CSR Support by
ipca | Foundation

प्राकृतिक संकट तथा आपदाएँ

missiongyan® LET'S LEARN TOGETHER

- भारतीय प्लेट उत्तर और उत्तर-पूर्व दिशा में गति कर रही है, जबकि उत्तर में स्थित यूरेशियन प्लेट इसका प्रतिरोध करती है।
- इससे प्लेटों के किनारों पर ऊर्जा संचित होती रहती है।
- जब संचित ऊर्जा अचानक मुक्त होती है, तो भूकंप उत्पन्न होता है।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

प्राकृतिक संकट तथा आपदाएँ

भारत में भूकंप प्रभावित क्षेत्र

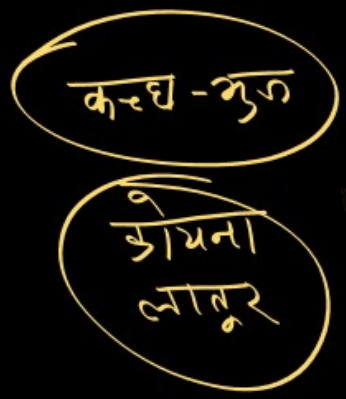
- भारत में भूकंप की संवेदनशीलता के आधार पर क्षेत्रों को पाँच भूकंपीय क्षेत्रों में बाँटा गया है— अति अधिक, अधिक, मध्यम, निम्न और अति निम्न क्षति जोखिम क्षेत्र।
- हिमालय, उत्तर-पूर्वी भारत तथा कुछ अन्य क्षेत्रों में भूकंप का जोखिम अधिक है।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

प्राकृतिक संकट तथा आपदाएँ

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

- जम्मू-कश्मीर, लद्दाख, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, सिक्किम और उत्तर-पूर्व के राज्यों के अनेक भाग भूकंप-संवेदनशील क्षेत्रों में आते हैं।
- मध्य-पश्चिमी भारत में गुजरात और महाराष्ट्र के कुछ भागों में भी विनाशकारी भूकंप आए हैं।



Under CSR Support by
ipca | Foundation

प्राकृतिक संकट तथा आपदाएँ

भूकंप के प्रमुख प्रभाव

- भूकंप से भवनों और अन्य संरचनाओं को क्षति पहुँच सकती है तथा बड़े पैमाने पर जन-धन की हानि हो सकती है।
- इसके प्रभाव केवल तत्काल होने वाली क्षति तक सीमित नहीं रहते।

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

Under CSR Support by
ipca | Foundation

प्राकृतिक संकट तथा आपदाएँ

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

- पृथ्वी की सतह में दरारें पड़ सकती हैं, ज्वलनशील पदार्थ बाहर निकल सकते हैं और आसपास के क्षेत्रों में बाढ़ या अन्य समस्याएँ उत्पन्न हो सकती हैं।
- भूकंप के कारण भूस्खलन भी हो सकता है, जिससे नदी मार्ग अवरुद्ध होकर जलाशय जैसी स्थिति बन सकती है।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

प्राकृतिक संकट तथा आपदाएँ

missiongyan® LET'S LEARN TOGETHER

Q.18 सूखे के प्रकार, भारत में सूखा-प्रभावित क्षेत्रों तथा सूखे से निपटने के उपायों का वर्णन कीजिए।



Under CSR Support by
ipca | Foundation

प्राकृतिक संकट तथा आपदाएँ

missiongyan® LET'S LEARN TOGETHER



- सूखा एक जटिल प्राकृतिक संकट है।
- इसकी स्थिति लंबे समय तक अपर्याप्त वर्षा, अत्यधिक वाष्पीकरण तथा जलाशयों और भूमिगत जल के अत्यधिक उपयोग से उत्पन्न हो सकती है।
- सूखे पर वर्षा, वाष्पीकरण, वाष्पोत्सर्जन, भूजल, मिट्टी की नमी, जल भंडारण, कृषि पद्धतियों और सामाजिक-आर्थिक गतिविधियों का प्रभाव पड़ता है।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

प्राकृतिक संकट तथा आपदाएँ

सूखे के प्रमुख प्रकार

- मौसम विज्ञान संबंधी सूखा:
  - जब लंबे समय तक अपर्याप्त वर्षा होती है और उसका समय तथा स्थान के अनुसार वितरण असंतुलित रहता है।
- कृषि सूखा:
  - इसे भूमि-आर्द्रता सूखा भी कहा जाता है।
  - मिट्टी में नमी की कमी के कारण फसलें मुरझाने लगती हैं।

कुल कृषित क्षेत्र का 30% सिंचित

Under CSR Support by
ipca | Foundation

प्राकृतिक संकट तथा आपदाएँ

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

- जलविज्ञान संबंधी सूखा:
  - जब वर्षा से जलापूर्ति होने के बाद भी जलाशयों, झीलों और अन्य जलस्रोतों का स्तर गिरता रहता है।
- पारिस्थितिक सूखा:
  - प्राकृतिक पारिस्थितिकी तंत्र में जल की कमी से उत्पादकता घटती है और तंत्र पर दबाव बढ़ता है।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

प्राकृतिक संकट तथा आपदाएँ

भारत में सूखा-प्रभावित क्षेत्र

- भारत में सूखा-प्रभावित क्षेत्रों में राजस्थान के पश्चिमी भाग, कच्छ, मध्य प्रदेश के अनेक भाग, महाराष्ट्र के पूर्वी भाग, आंध्र प्रदेश के आंतरिक भाग, कर्नाटक का पठार, तमिलनाडु के उत्तरी भाग, झारखंड का दक्षिणी भाग और ओडिशा के आंतरिक भाग शामिल हैं।

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

Under CSR Support by
ipca | Foundation

प्राकृतिक संकट तथा आपदाएँ

missiongyan® LET'S LEARN TOGETHER

- सूखे से खाद्यान्न की कमी, चारे का अभाव, जल संकट, पशुओं की मृत्यु और मानव प्रवास जैसी समस्याएँ उत्पन्न हो सकती हैं।



Under CSR Support by
ipca | Foundation

प्राकृतिक संकट तथा आपदाएँ

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

सूखे से निपटने के उपायों

- सूखे से निपटने के लिए तत्काल सुरक्षित पेयजल, दवाइयाँ, पशुओं के लिए चारा और पानी उपलब्ध कराना तथा प्रभावित लोगों को सुरक्षित स्थानों तक पहुँचाना आवश्यक है।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

प्राकृतिक संकट तथा आपदाएँ

missiongyan® LET'S LEARN TOGETHER

- दीर्घकालीन उपायों में भूजल भंडारों की पहचान, जल-अधिक्य वाले क्षेत्रों से जल-अल्पता वाले क्षेत्रों तक पानी पहुँचाना, नदियों को जोड़ना, बाँध एवं जलाशय बनाना, सूखा-प्रतिरोधी फसलों को प्रोत्साहित करना और वर्षा जल संग्रहण शामिल हैं।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

प्राकृतिक संकट तथा आपदाएँ

missiongyan® LET'S LEARN TOGETHER

Q.19 आपदा प्रबंधन की अवस्थाओं तथा भारत में आपदा प्रबंधन के महत्त्व को स्पष्ट कीजिए।



Under CSR Support by
ipca | Foundation

प्राकृतिक संकट तथा आपदाएँ

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

- आपदाएँ प्राकृतिक या मानवजनित कारणों से उत्पन्न हो सकती हैं।
- प्रत्येक संकट आपदा नहीं बनता, लेकिन जब किसी घटना से बड़े स्तर पर जन-धन की हानि, पर्यावरण की क्षति और सामान्य जीवन में गंभीर व्यवधान उत्पन्न होता है, तब उसका प्रभाव आपदा के रूप में सामने आता है।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

प्राकृतिक संकट तथा आपदाएँ

missiongyan® LET'S LEARN TOGETHER

- आपदाओं को पूरी तरह रोकना कठिन है, इसलिए उनकी तैयारी और प्रभावी प्रबंधन महत्त्वपूर्ण हैं।



Under CSR Support by
ipca | Foundation

प्राकृतिक संकट तथा आपदाएँ

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

आपदा प्रबंधन की प्रमुख अवस्थाएँ

1. आपदा से पहले:

- इस अवस्था में आपदा से संबंधित आँकड़े और सूचनाएँ एकत्र की जाती हैं।
- संभावित आपदा क्षेत्रों के मानचित्र तैयार किए जाते हैं और लोगों को जोखिम के बारे में जानकारी दी जाती है।
- इसके साथ ही आपदा योजनाएँ बनाना, आवश्यक तैयारियाँ रखना और बचाव के उपाय करना शामिल है।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

प्राकृतिक संकट तथा आपदाएँ

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

2. आपदा के समय:

- इस अवस्था में बचाव और राहत कार्य किए जाते हैं।
- प्रभावित क्षेत्रों से लोगों को निकालना, आश्रय स्थल बनाना तथा राहत शिविरों में भोजन, पानी और दवाइयों की आपूर्ति करना इसके प्रमुख कार्य हैं।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

प्राकृतिक संकट तथा आपदाएँ

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

3. आपदा के बाद:

- इस अवस्था में प्रभावित लोगों को बचाने, पुनर्वास करने और भविष्य की आपदाओं से निपटने की क्षमता विकसित करने पर ध्यान दिया जाता है।



Under CSR Support by
ipca | Foundation

प्राकृतिक संकट तथा आपदाएँ

missiongyan® LET'S LEARN TOGETHER

भारत में आपदा प्रबंधन के महत्त्व

- भारत जैसे देश में आपदा प्रबंधन का विशेष महत्त्व है, क्योंकि यहाँ प्राकृतिक परिस्थितियों की विविधता, बड़ी जनसंख्या और अनेक क्षेत्रों की संवेदनशीलता के कारण आपदाओं का प्रभाव व्यापक हो सकता है।
- इस दिशा में आपदा प्रबंधन अधिनियम, 2005 और राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन संस्थान की स्थापना महत्त्वपूर्ण कदम हैं।